



# पश्चिमी उ०प्र० में फसल विविधीकरण परियोजना सफलता की कहानियाँ



**प्रोजेक्ट को आर्डिनेशन यूनिट, यूपीडास्प, उ.प्र.**

चतुर्थतल, पिकपभवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ-226 010

पी.बी.एक्स: 2720718, फैक्स: 2720837 / 2721957

Email:- [updasp12@Gmail.com](mailto:updasp12@Gmail.com) Toll Free No. 1800.1800.118

Website- [www.updasp.org](http://www.updasp.org)



## प्रकाशक

प्रोजेक्टकोऑर्डिनेशन यूनिट, यूपीडास्प  
उत्तरप्रदेश लखनऊ

## परिकल्पना

- डॉ० सुधीर एम० बोबड़े  
आई.ए.एस  
परियोजनासमन्वयक

## तकनीकीनिर्देशन

- डॉ० वी० एस० चन्देल  
तकनीकीसमन्वयक

## संकलन एवंप्रस्तुति

- राजेशकुमारगुप्ता  
प्रभारीमीडिया
- श्रीमतीअंजनावर्मा  
तकनीकीविशेषज्ञ (मत्स्य)
- डा० राजीव  
तकनीकीविशेषज्ञ  
(पशुपालन एवंडेयरी विकास)

## प्रस्तुतिसहयोग

- रामबिलासवर्मा
- मो० साबिकसिद्दीकी

## संस्करण

जुलाई, 2017

डॉ० सुधीर एम० बोबडे  
(आई.ए.एस)

प्रमुख सचिव समन्वय, उ.प्र. शासन एवं  
परियोजना समन्वयक, यूपीडास्प



प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेशन यूनिट, यूपीडास्प  
चतुर्थ तल, बी ब्लॉक, पिकप भवन, विभूति  
खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010  
दूरभाष कार्यालय : 0522-2720682,  
फैक्स : 0522-2721957  
पी.बी.एक्स : 0522-2720718  
ई-मेल: updasp12@gmail.com

## दो शब्द

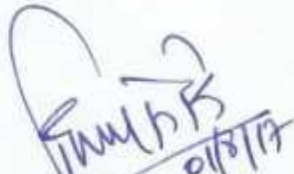
प्रथम हरित क्रांति क्षेत्रों यथा पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भूगर्भ जल का स्तर निरन्तर गिर रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 170 विकास खण्डों में अति दोहित, (42), किटिकल (02) व सेमी किटिकल (24) विकास खण्ड सम्मिलित हैं। अतः अत्य अधिक जल उपयोग करने वाली प्रमुख फसल धान के क्षेत्र कों एक सीमा तक, अन्य फसलों यथा मक्का, उर्द, मूंग तथा कृषि वानिकी से प्रतिस्थापित/विविधीकृत किये जाने की आवश्यकता महसूस की गयी।

वर्तमान में धान-गेहूँ फसल चक्र में उत्पादन/उत्पादकता में स्थिरता/कमी के साथ ही शुद्ध लाभ में गिरावट दृष्टव्य है। किसानों की आय वृद्धि हेतु, धान के स्थान पर वैकल्पिक फसल चक्र को अपनाने एवं कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिये फसल विविधीकरण परियोजना, प्रदेश की कृषि विविधीकरण हेतु नामित संस्था "परियोजना समन्वय इकाई, यूपी० डास्प, लखनऊ द्वारा क्रियान्वित करायी जा रही है। सामयिक महत्व की इस योजना को भारत सरकार के वित्त पोषण से पश्चिमी उ०प्र० के 11 जनपदों में चलाया जा रहा है।

परियोजना में कृषक आय में गुणात्मक सुधार हेतु कृषि वानिकी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। आशा है कि कृषकों की आय दोगुना करने के उद्देश्य से यह योजना लाभकारी सिद्ध होगी।

योजना के लाभार्थियों के कुछ अनुभव सफलता की कहानियों के रूप में संकलित किये गये हैं। आशा है यह संकलन अन्य कृषकों हेतु प्रेरणादायक होगा।

इस प्रकाशन की सफलता के लिए मेरी शुभकामनायें।

  
(डॉ० सुधीर एम० बोबडे)



# सफलता की कहानियाँ





## सफलता की कहानी-01 (स्ट्रॉ-रीपर लाभार्थी)

मैं, त्रिलोक चन्द्र शर्मा, गाँव-सोंगरा, विकास खण्ड-जवाँ, तहसील-कोल, जिला-अलीगढ़ का रहने वाला हूँ। मेरी शैक्षिक योग्यता बी०एस०सी० है। मेरे पास 2.50 हे० खेती की जमीन है। मैं क्वार्सी फार्म अलीगढ़ में डास्प परियोजना के कृषि यन्त्र वितरण कार्यक्रम एवं गोष्ठी में शामिल हुआ था, जिसमें वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों द्वारा बताया गया कि फसल अवशेषों को खेत में जलाने पर मृदा उर्वरा शक्ति नष्ट होती है तथा वायु प्रदूषण फैलने के साथ-साथ पशुओं हेतु उपयोगी भूसा भी नष्ट हो जाता है। जबकि स्ट्रॉ-रीपर ऐसी मशीन है जिसकी मदद से फसल अवशेषों को भूसे में बदला जा सकता है। अतः दी गयी जानकारी के अनुसार मैंने स्ट्रॉ-रीपर मशीन अनुदान पर क़य करने हेतु आवेदन पत्र जमा किया। मुझे आवेदन पत्र के पंजीकरण एवं स्वीकृति का सन्देश मोबाइल पर मिला। जिसके बाद मैंने स्ट्रॉ-रीपर मशीन रुपये 245000.00 में क़य की।



मैंने 10 अप्रैल, 2016 से कम्बाइन मशीन द्वारा गेहूँ कटाई कराने वाले कृषकों के खेतों पर, रुपये 1000.00 प्रति ट्राली की दर से भूसा बनाना शुरू किया। 12 मई, 2016 तक, 250 ट्राली भूसा तैयार करने से मुझे रुपये 250000.00 की आमदनी हुई। जिसमें से रुपये 105000.00 का परिचालन व्यय काटने के उपरान्त रुपये 145000.00 का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। रीपर के अनुदान की धनराशि रुपये 44000.00 मेरे बैंक खाते में सीधे आयी। जितना पैसा मैंने रीपर के क़य पर लगाया था, वह पूरा का पूरा पैसा मुझे इसी वर्ष एक सीजन में ही वापस मिल गया। वास्तव में किसान भाइयों के लिए यह एक बहुत ही उपयोगी मशीन है। कम्बाइन से गेहूँ कटाई के बाद किसान भाई खेतों में खड़े अवशेष गेहूँ के तनों (लॉक) में आग लगा देते थे, जो कि अब ऐसा नहीं कर रहे हैं। इससे वातावरण में प्रदूषण कम हो रहा है, एवं खेतों में फसलों के अवशेष मिट्टी में दबने से भूमि में जीवांश की भी वृद्धि होगी, तथा भूमि की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी।

### आय-व्यय का विवरण :

विवरण	आय(रु०)	लागत मूल्य(रु०) (परिचालन व्यय)	शुद्ध लाभ (रु०)
250 ट्राली भूसा	@रु० 1000.00 प्रति ट्राली 250000.00	105000.00	145000.00

कृषक का नाम : त्रिलोक चन्द्र शर्मा कुल जोत, क्षेत्रफल (हे०): 2.50 हे०  
पिता का नाम : स्व० रामफल शर्मा  
ग्राम का नाम : सोंगरा  
विकास खण्ड : जवाँ  
तहसील : कोल  
जनपद : अलीगढ़  
मोबाइल : 8755169113





## सफलता की कहानी-02 (स्ट्रा-रीपर लाभार्थी)

मैं, दीपक तिवारी निवासी, गाँव-नदरोई ब्लाक-लोधा, जनपद-अलीगढ़ का कृषक हूँ। मेरे पास खेती की लगभग 2.0 एकड़ जमीन है। मेरे पास खेती की जमीन कम होने के कारण खेती से उचित लाभ नहीं मिल पा रहा था। यूपीडास्प योजना की जानकारी समाचार पत्रों एवं गोष्ठियों से मिलने पर मैं यूपी डास्प योजना से जुड़ा। मुझे गेहूँ का



भूसा बनाने वाली स्ट्रा-रीपर मशीन अनुदान पर मिलने के बारे में जानकारी मिली। मशीन मुझे अच्छी लगी। मैंने यूपी डास्प कार्यालय से विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के उपरान्त, आवेदन पत्र पूर्णकर चाहे गये कागजात लगाकर कार्यालय में जमा कर दिया। कुछ समय बाद मेरे मोबाईल पर पंजीकरण का मैसेज आया और बाद में मुझे रीपर मशीन अनुदान पर क्रय करने हेतु मन्जूरी की जानकारी मिली। इसके बाद मैंने स्ट्रा-रीपर मशीन ₹0 232000.00 में खरीदी जिसका सत्यापन कृषक गोष्ठी "कृष्णांजली" अलीगढ़ में अधिकारियों एवं मा0 मंत्री जी के द्वारा किया गया। मैंने कम्बाइन मशीन से गेहूँ कटाई के खेतों में प्रति ट्राली ₹0 800.00 की दर से भूसा बनाना शुरू किया। भूसा बनाने से लगभग 150000.00 रुपये की आमदनी हुई। मशीन को चलाने में डीजल एवं परिचालन व्यय तथा मजदूरी का खर्च करीब ₹0 60000.00 आया जिसे घटाने के बाद मुझे लगभग ₹0 90000.00 का शुद्ध मुनाफा मिला। इसके अतिरिक्त अनुदान की धनराशि ₹0 44000.00 यूपी डास्प योजना से सीधे मेरे बैंक खाते में आयी। मेरे जैसे युवा कृषकों हेतु अपना कार्य करने एवं दूसरे कृषकों का कार्य करने हेतु यह बहुत अच्छी मशीन है। रीपर मशीन से कार्य कर थोड़े समय में अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। रीपर मशीन से बने भूसा की गुणवत्ता अच्छी है जिसको किसानों द्वारा पसन्द किया जा रहा है। स्ट्रा-रीपर मशीन से बने भूसे को पशु भी बड़े चाव से खाते हैं।

विवरण	आय (₹0)	लागत मूल्य(₹0) (परिचालन व्यय)	शुद्ध लाभ(₹0)
187 ट्राली भूसा	@800/- प्रति ट्राली 150000.00	60000.00	90000.00

कृषक का नाम : दीपक तिवारी  
पिता का नाम : ओम प्रकाश तिवारी  
ग्राम का नाम : नदरोई  
विकास खण्ड : लोधा  
तहसील : कोल  
जनपद : अलीगढ़  
मोबाइल संख्या : 8273455855  
कुल जोत क्षेत्रफल : 2.0 एकड़



### सफलता की कहानी-03 (उर्द-प्रदर्शन लाभार्थी)

मैनेखरीफ वर्ष-2015 में धान की फसल के स्थान पर 2 हे0 में उर्द की फसल बोयी। उर्द फसल प्रदर्शन हेतु बीज, जैव उर्वरक, ट्राइकोडरमा, पैण्टीमेथिलीन डास्प योजना द्वारा उपलब्ध कराया गया। मुझे इस फसल से 25कु0 उत्पादन मिला जो मण्डी में रू0 9800.00 प्रति कु0 की दर से बेचा गया जिससे रू0 245000.00 की धनराशि प्राप्त हुई। विगत वर्ष इसी क्षेत्रफल में धान की फसल से 80 कु0 की पैदावार प्राप्त हुई थी। जो मण्डी में रू0 1800.00 प्रति कु0 के हिसाब से कुल रू0 144000.00 में बिकी थी। पिछले वर्ष धान की 2.0 हे0 फसल पर लागत रू0 44000.00 रुपये आई थी, जबकि उर्द फसल के समान क्षेत्रफल 2.0 हे0 पर कुल उत्पादन लागत लगभग रू0 29000.00 रही। इस प्रकार जहां पिछले वर्ष धान की फसल से लागत घटाने पर रू0 100000.00 का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ था वहीं इस वर्ष उर्द की फसल से लागत घटा कर रू0 216000.00 का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। इस प्रकार धान की फसल के स्थान पर उर्द की फसल लेने से दोगुना लाभ प्राप्त हुआ। इसके बाद डास्प योजना द्वारा ही खेत की मेड़ों पर पॉपलर पौधों का रोपण भी किया गया है। पौधे अच्छी प्रकार से चल रहे हैं इससे भी लाभ होने की उम्मीद है। डास्प योजना से कृषि यन्त्र लेजर लेवलर अनुदान पर क्रय किया गया है जिससे मुझे एवं सभी गाँववासियों को लाभ मिल रहा है। जिससे मुझे अच्छी आमदनी भी हो रही है।



फसल	आय	लागत मूल्य	शुद्ध लाभ
<b>उर्द -</b> कुल उत्पादन- 12.5 कु0/हे0	दर @Rs.9800/कु0 रू0 122500.00/हे0	रू014500. 00/हे0	रू0108000.00/हे0
<b>धान-</b> कुल उत्पादन- 40कु0/हे0	दर@Rs.1800/कु0 रू0 72000.00/हे0	रू0 22000.00/हे0	रू0 50000.00/हे0
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रू0 58000.00/हे0

कृषक का नाम : कृपाल सिंह  
पिता का नाम : मोहन सिंह  
ग्राम का नाम : बैजला  
विकास खण्ड : अतरौली  
तहसील : अतरौली  
जनपद : अलीगढ़।  
मोबाइल संख्या : 9719128625  
कुलजोत (क्षेत्रफल हे0): 2.0 हे0



## सफलता की कहानी-04 (उर्द-प्रदर्शन लाभार्थी)

फसल विविधीकरण सम्बन्धी डास्प योजना के सम्पर्क में आने से पहले मैं अपने खेतों में धान की फसल लगाता था। डास्प अधिकारियों व सहायक विकास अधिकारी कृषि द्वारा बताया गया कि दलहन फसलें, धान की तुलना में अधिक लाभकारी हैं साथ ही इनमें पानी की खपत भी कम है। अतः मैंने अपने खेत में धान की फसल ना लगा कर उर्द की फसल की 1.5 हे० क्षेत्रफल में बुआई की जिसका बीज व जैव उर्वरक, ट्राइकोडरमा, पैण्डीमेथिलीन योजना द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। मुझे 18कु० उत्पादन प्राप्त हुआ जो मण्डी में रू० 9200.00 प्रति कु० की दर सेकुल रू० 165600.



00 में बेचा गया। इस फसल को पैदा करने में रू० 20000का खर्च आया। इस प्रकार रू० 145600.00 शुद्धलाभ प्राप्त हुआ। पिछले वर्ष धान की फसल से 1.50 हे० में 56.00कु० धान का प्राप्त हुआ था जिसे मण्डी में रू० 1500.00 प्रति कु० की दर से बेचने परकुल रू० 84000.00 प्राप्त हुआ था। धान के उत्पादन में लगभग रू० 28600.00की लागत आई थी। इस प्रकार धान से शुद्ध लाभ रू० 55400.00 हुआ, जो उर्द की फसल की अपेक्षा काफी कम है। मैंने डास्प योजना द्वारा जगह-जगह दिये गये प्रशिक्षणों में एवं बरेली, पंतनगर में आयोजित मेलों में प्रतिभा कर काफी अच्छी जानकारी प्राप्त की। जिससे मुझे एवं मेरे गाँव के किसानों को काफी लाभ मिला है।

फसल	आय	लागत मूल्य	शुद्ध लाभ
<b>उर्द-</b> कुल उत्पादन- 12 कु०/हे०	@Rs.9200/कु० रू० 1,10,400.00/हे०	रू० 13300. 00/हे०	रू० 97100.00/हे०
<b>धान-</b> कुल उत्पादन- 37 कु०/हे०	@Rs.1500/-प्रति कु० रू० 55,500.00/हे०	रू० 19100. 00/हे०	रू० 36,400.00/हे०
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			60700.00

कृषक का नाम: अफसर खां

पिता का नाम : अलहदाद खा

ग्राम का नाम : पनेहरा

विकास खण्ड : अतरौली

तहसील : अतरौली

जनपद : अलीगढ़।

मोबाइल संख्या :9690591690

कुलजोत (क्षेत्रफल हे०):1.5 हे०





## सफलता की कहानी-05 (उर्द-प्रदर्शन लाभार्थी)

मैहीरेश कुमार शर्मा अपने खेत में पहले धान की फसल लगाता था। मुझे डास्प योजना के बारे में, अपर जिला कृषि अधिकारी, श्री वी०के० शर्मा जी के द्वारा जानकारी मिली। इनके द्वारा कम पानी चाहने वाली फसलों का उत्पादन किये जाने से होने वाले फायदों के बारे में अवगत कराया गया। यह भी बताया गया कि धान के स्थान पर मूँग की खेती करने से अधिक लाभ होगा तथा लागत में भी कमी आयेगी और दलहन फसल के करने से मिट्टी में नाइट्रोजन की मात्रा भी बढ़ेगी। जिसके बाद मैंने धान के स्थान पर 1.0 हे० क्षेत्रफल में मूँग की खेती की। बीज व जैव उर्वरक, ट्राइकोडरमा, पैण्डीमेथिलीन योजना द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। योजनान्तर्गत दिये गये प्रशिक्षणों में प्राप्त जानकारी के अनुसार मैंने मूँग फसल की बुआई 1.0



हे० में की और धान की फसल 1.0 हे० में नहीं लगाई। मुझे मूँग की फसल से 1.0 हे० में 11.5 कु० उत्पादन प्राप्त हुआ और मण्डी में 8200.00 रुपया प्रति कु० की दर से बिका जिससे कुल 94300.00 रु० प्राप्त हुआ। मूँग में कुल लागत 24000.00 रु० आई। इस प्रकार फसल से 70300.00 रु० शुद्ध आय प्राप्त हुई। विगत में धान की फसल से इसी क्षेत्रफल में कुल 38 कु० उत्पादन प्राप्त हुआ था। इसे मण्डी में 1450.00 रु० प्रति कु० के हिसाब से बिकी किया गया जिससे रुपया 55100.00 प्राप्त हुआ था। धान की फसल पर लागत रु० 24000.00 आई थी, एवं रु० 31100.00 की शुद्ध बचत प्राप्त हुई थी। इस प्रकार धान की फसल की अपेक्षा मूँग की फसल से रुपया 39200.00 अधिक प्राप्त हुआ।

मेरे लिए यह योजना काफी लाभकारी रही है। आज के समय में डास्प योजना कृषकों के लिए बहुत ही लाभदायक है। गाँव के अन्य कृषक भी इस वर्ष ज्यादा से ज्यादा दलहन फसलों उर्द व मूँग की खेती पर विचार कर रहें हैं। इससे पानी की बचत के साथ-साथ हम कृषकों की आमदनी भी निश्चित ही बढ़ेगी।

फसल	आय	लागत मूल्य	शुद्ध लाभ
मूँग 11.5 कु० / हे०	@रु०.8200 / -प्रति कु० 94300.00	रु० 24000.00	रु० 70300.00 / हे०
धान 38 कु० / हे०	@रु०.1450 / -प्रति कु० रु० 55100.00	24000.00	रु० 31100.00 / हे०
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रु० 39200 / हे०

कृषक का नाम : हीरेश कुमार शर्मा  
पिता का नाम : छत्रपाल शर्मा  
ग्राम का नाम : भरतरी  
विकास खण्ड : लोधा  
तहसील : कोल  
जनपद : अलीगढ़।  
मोबाइल संख्या : 7078465117  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे०): 1.0 हे०



## सफलता की कहानी-06 (बाजरा प्रदर्शन लाभार्थी)

मैं ज्ञानेन्द्र सिंहपुत्र श्री जंग बहादुर सिंह ग्राम-रायपुरहंस, विकास खण्ड-फरीदपुर, जनपद - बरेली कानिवासी हूँ। पूर्व में अपने खेत में रबी में गेहूँ व खरीफ में धान की खेती करता था। क्राप डाईवर्सिफिकेशन परियोजना के बारे में वित्तीय वर्ष 2015-16 में विकास भवन स्थित कार्यालय में जानकारी दी गयी। जिला परियोजना समन्वयक द्वारा मुझे अपने ग्राम के कृषकों को जोड़ते हुये, विगत वर्ष बोये गये धान के स्थान पर, बाजरा क्लस्टर प्रदर्शन हेतु 10 हे० का क्लस्टर निर्माण एवं अन्य जानकारी दी गयी। इस प्रकार मेरे द्वारा अपने गांव के लोगो को मिलाकर 10 हे० का एक क्लस्टर का निर्माण किया गया जिसमें मेरे द्वारा 1 हे० में बाजरे की फसल लगायी गयी।



ज्ञानेन्द्र सिंह पुत्र श्री जंगबहादुर सिंह, ग्राम रायपुरहंस, विकास खण्ड फरीदपुर, जनपद बरेली

परियोजना की तरफ से प्राप्त बाजरा के हाईब्रिड बीज एवं अन्य निवेशों को, मैंने, परियोजनान्तर्गत आयोजित प्रशिक्षणों एवं गोष्ठियों में, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं अन्य विशेषज्ञों द्वारा दी गयी जानकारी के आधार पर उर्द फसल की खेती की।

हाईब्रिड बाजरा बीज व अन्य निवेश, यूपीडास्प परियोजना द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराये गये थे। परियोजना के अधिकारियों के उचित मार्गदर्शन से मेरा उत्पादन 30 कु० प्रति हे० की दर से प्राप्त हुआ।

### 01 हे० बाजरा एवं 01 हे० धान की खेती का तुलनात्मक विवरण

क्र०स०	मद विवरण	बाजरा		धान
अ	कुल लागत (रु०)	13200.00		25700.00
		बाजरा अनाज	चारा	
ब	कुल उत्पादन (कु०)	30 कु०	50 कु०	48 कु०
स	कुल आय (रु०)	30X1250=37500.00	50X350=17500	48X1200=57600.00
	शुद्ध लाभ प्रति हे० (स-अ)	55000-13200=41800 (बाजरा+चारा-लागत)		31900



इस प्रकार मुझे प्रति हे० बाजरे की खेती में धान की अपेक्षा में 41800–31900= (रु०)9900.00का अतिरिक्त लाभ हुआ।

मैं इस उत्पादन एवं अपने लाभ का श्रेय क्राप डाईवर्सिफिकेशन परियोजना यूपीडास्प के जिला परियोजना समन्वयक एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों को देता हूँ।

कृषक का नाम : ज्ञानेन्द्र सिंह  
पिता का नाम : जंग बहादुर सिंह  
ग्राम : रायपुरहंस,  
विकास खण्ड : फरीदपुर  
जनपद : बरेली  
मोबाईल न० : 7310759677  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे०): 2.0  
प्रदर्शन क्षेत्र : 01 हे०



## सफलता की कहानी-07 (उर्द प्रदर्शन व पम्पसेट लाभार्थी)

मैं कृषक सुरजीत प्रताप सिंह पुत्र स्व० श्री मुनेश्वर सिंह, ग्राम-रायपुरहंस, विकास खण्ड-फरीदपुर, जनपद-बरेली का निवासी हूँ। मेरे पास 2.0 (हेक्टेयर) उपजाऊ भूमि है, जिसमें मैं रबी में गेहूँ, मसूर एवं खरीफ में धान की खेती करता रहा हूँ।

क्राफ डाईवर्सिफिकेशन परियोजना के बारे में वित्तीय वर्ष 2014-15 में विकास भवन स्थित कार्यालय में जानकारी प्राप्त हुई, तथा मेरे द्वारा उर्द का क्लस्टर प्रदर्शन कराया गया। उर्द में मुझे धान से अधिक लाभ प्राप्त हुआ। जहाँ धान में लागत ₹0 26100.00 प्रति हे० व शुद्ध लाभ ₹0 31500.00 प्रति हे० होता था, उसी खेत में उर्द में लागत ₹0 17500.00 प्रति हे० व शुद्ध लाभ ₹0 80500.00 प्रति हे० रहा।

मुझे परियोजना द्वारा, मशीनीकरण से होने वाले लाभों के बारे में भी जानकारी मिली। अतः मेरे द्वारा वित्तीय वर्ष 2015-16 में पम्पसेट क्रय हेतु आन लाईन रजिस्ट्रेशन यूपीडास्प की बेबसाइट पर कराया गया तथा। कार्यालय बरेली से मेरे फार्म का अनुमोदन सम्बन्धी एस०एम०एस० प्राप्त होने के पश्चात मेरे द्वारा फील्ड मार्शल पम्पसेट का क्रय किया गया जिसका बिल एवं अन्य अभिलेख कार्यालय में प्रस्तुत किया गया। कुछ दिनों पश्चात मुझे मेरे खाते में पम्पसेट की अनुदान धनराशि ₹0 10000.00 की प्राप्त हुयी। पम्पसेट का उपयोग मेरे खेतों की सिंचाई



सुरजीत प्रताप सिंह, पुत्र श्री मुनेश्वर सिंह, ग्राम रायपुरहंस, विकास खण्ड फरीदपुर



सुरजीत प्रताप सिंह, पुत्र श्री मुनेश्वर सिंह, ग्राम रायपुरहंस, विकास खण्ड फरीदपुर





के साथ ही अन्य कृषकों हेतु किराये पर भी किया गया। इससे मुझे अतिरिक्त आय प्राप्त हुई। जिसका विवरण निम्नवत है—

डास्प के माध्यम से प्राप्त मशीन का नाम व अनुदान — पम्पसेट

अनुदान रू0 10000.00

अ— मशीन के उपयोग से आय (रू0 प्रति वर्ष) रू0 40687.00

ब— मशीन के उपयोग पर लागत मूल्य (रू0 प्रति वर्ष) रू0 5000.00

### स्वयं के पम्पसेट प्रयोग से हुये लाभ का विवरण

क्र०सं०	मद विवरण	किराये के पम्प सेट से सिंचाई पर व्यय (रू0)	पम्पसेट क्रय उपरान्त सिंचाई पर व्यय (रू0)
1	सिंचाई लागत प्रति घण्टा (रू0)	120	45
2	1 हे०सिंचाई हेतु लागत (रू0) (आवश्यक समय— 15 घण्टा)	120x15=1800.00	45x15=675.00
3	प्रति हे० सिंचाई पर बचत (रू0)	1800-675=1125	
4	कुल उपलब्ध भूमि 2.50 हे० में प्रति सिंचाई में बचत लाभ (रू0)	1125x2.50=2812.50	
5	प्रति वर्ष कुल उपलब्ध भूमि 2.50 हे० में प्रति सिंचाई में बचत लाभ (रू0) कुल 07 सिंचाई प्रति वर्ष	2812.50x7=19687.50	
6	पम्पसेट किराये पर चलाने से प्राप्त लाभ 300 घण्टा x रू0 <u>70/घण्टा</u>	21000.00	
7	पम्पसेट से प्रतिवर्ष कुल लाभ 5+6	40687.50	

इस प्रकार मुझे 2.50 हे० मे एक वर्ष 7 बार सिंचाई मे  $7 \times 2812.50 =$  रू0 19687.50 लाभ हुआ तथा मैने किरायेदारी से भी एक वर्ष में लगभग रू0 70.00 प्रति घण्टा का लाभ अर्जित करते हुये कुल 300 घण्टे की किरायेदारी की जिसमें मुझे कुल रू0  $300 \times 70 = 21000.00$  का लाभ हुआ।

अतः मुझे क्राप डाईवर्सिफिकेशन परियोजना के सहयोग से प्राप्त पम्पसेट के माध्यम से स्वयं के खेत की सिंचाई एवं किरायेदारी से एक वर्ष मे कुल  $19687.50 + 21000.00 =$  रू0 **40687.50** की आय हुई।

कृषक का नाम : सुरजीत प्रताप सिंह  
पिता का नाम : स्व० श्री मुनेश्वर सिंह  
ग्राम : रायपुरहंस  
विकास खण्ड : फरीदपुर  
जनपद : बरेली  
मोबाईल न० : 9936619078  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे०) : 2.0





## सफलता की कहानी-08 (बाजरा प्रदर्शन व रोटावेटर लाभार्थी)

मैं कृषक जगदीश, पुत्र श्री मुन्नालाल, ग्राम-लालपुर, विकासखण्ड-क्यारा, जनपद- बरेली का निवासी हूँ, मेरे पास 2 (हेक्टेयर) उपजाऊ भूमि है, जिसमें मैं रबी में गेहूँ एवं खरीफ में धान की खेती करता हूँ।

मुझे क्राप डाईवर्सिफिकेशन परियोजना के बारे में वर्ष 2015-16 में, विकास खण्ड- क्यारा के ए0डी0ओ0 कोआपरेटिव के माध्यम से पता चला जिसमें विगत वर्ष बोये गये धान के स्थान पर अन्य फसल प्रदर्शन लगाने पर बीज/दवा आदि पर अनुदान के बारे में बताया गया था।



जगदीश पुत्र मुन्नालाल, ग्राम लालपुर, विकास खण्ड क्यारा

जिसके पश्चात मैंने विकास भवन स्थित परियोजना कार्यालय में सम्पर्क किया एवं बाजरा क्लस्टर प्रदर्शन कराया। प्रदर्शन हेतु बीज व अन्य निवेश परियोजना से निःशुल्क प्राप्त कराये गये। बाजरे की खेती धान से अधिक लाभकारी रही। जहाँ धान में लागत रू0 26600/हे0 व शुद्ध लाभ रू0 31000/हे0 होता था, उसी खेत में बाजरा में लागत रू0 14000/हे0 व शुद्ध लाभ रू0 40000/हे0 रहा।

वित्तीय वर्ष 2015-16 में ही मैंने रोटावेटर हेतु परियोजना की वेबसाईट पर आनलाईन पंजीकरण कराते हुये अनुमोदन के पश्चात एक महिन्द्रा **रोटावेटर**, 7 फिटामल्टीस्पीड का क्रय किया। जिस हेतु मुझे अनुदान धनराशि रू0 35000.00 मेरे खाते में प्राप्त हुई।

रोटावेटर बहुत ही उपयोगी मशीन है जिसे मेरे द्वारा अपनी खेती में प्रयोग करने के साथ ही अन्य कृषकों के खेतों पर भी किराया पर चलाया गया। इससे मुझे अतिरिक्त आय प्राप्त हुई। स्वयं व अन्य कृषकों के खेतों पर एक वर्ष में कुल 600 घण्टे किये गये कार्य से मुझे रू0 315000.00 का लाभ प्राप्त हुआ जिसका विवरण निम्नवत है—



## स्वयं के रोटोवेटर प्रयोग से एक वर्ष में हुये लागत/लाभ का विवरण

डास्प के माध्यम से प्राप्त मशीन का नाम व अनुदान – रोटोवेटर

अनुदान रू0 35000.00

क्र० सं०	मद विवरण	रोटोवेटर सेट प्रयोगसे लागत/लाभ
अ	लागत :	
1	एक वर्ष मे कुल 600 घण्टे की गयी जुताई की लागत (जुताई मे ईंधन की लागत : रू0 450.00 प्रति घण्टा)	600X450=270000.00
2	रिपेयरिंग एवं सर्विसिंग (ट्रैक्टर एवं रोटोवेटर)	15000.00
	<b>कुल खर्च</b>	<b>285000.00</b>
ब	आय:	
	एक वर्ष मे कुल 600 घण्टे की गयी जुताई से प्राप्त किराया (प्रति घण्टा जुताई का किराया : रू0 1000 प्रति घण्टा)	600x1000=600000.00
	<b>शुद्ध लाभ (ब-अ)</b>	<b>315000.00</b>

इस प्रकार मुझे स्वयं की खेती मे संविधा एवं लाभ के साथ-साथ किरायेदारी से एक वर्ष मे कुल रू0 315000.00 का शुद्ध लाभ हुआ। धन्यवाद।

कृषक का नाम : जगदीश  
पिता का नाम : मुन्नालाल  
ग्राम : लालपुर,  
विकास खण्ड : क्यारा  
जनपद : बरेली  
मोबाइल न० : 9760052378  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे०) : 2



## सफलता की कहानी-09 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

क्राफ डाईवर्सिफिकेशन परियोजना के बारे में खण्ड विकास अधिकारी, रामनगर द्वारा जानकारी दी गयी तथा धान के स्थान पर अधिक लाभकारी उर्द की खेती करने हेतु क्लस्टर निर्माण एवं अन्य जानकारी दी गयी। मैंने पिछले वर्ष खरीफ में धान की खेती की थी। जानकारी से प्रभावित होकर मैंने यूपीडास्प कार्यालय विकास भवन में जिला परियोजना समन्वयक, यूपीडास्प से सम्पर्क किया तथा मेरे द्वारा अपने गांव के, धान के स्थान पर उर्द फसल बोने के इच्छुक 8 लोगो को मिलाकर 10 हे० का एक क्लस्टर का निर्माण किया गया जिसमे मेरे द्वारा 1 हे० में उर्द की फसल लगायी गयी।



रातेन्द्रगोहन सिंह पुत्र श्री जण्डैत सिंह, गाग जगन्नाथपुर, विकारा खण्ड रामनगर का झरप गु ख्यालय के तकनीकी समन्वयक डा० गजेन्द्र सिंह एवं जिला परियोजना समन्वयक द्वारा प्रदर्शन का निरीक्षण करते हुये

यूपीडास्प परियोजना द्वारा निःशुल्क बीज, बायो उर्वरक, खरपतवार नियंत्रक एवं कीट नाशक आदि उपलब्ध कराया गया। मैंने परियोजनान्तर्गत आयोजित कृषक प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का उपयोग कर उर्द प्रदर्शन लगाया जिसका कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा स्थलीय निरीक्षण भी किया गया। उन्होंने मेरी फसल को देखकर प्रसन्नता जाहिर की एवं कई और बहुत महत्वपूर्ण जानकारियां भी दीं। जिन्हें प्रयोग में लाकर मैंने अधिक उपज प्राप्त की।

परियोजना के अधिकारियों के उचित मार्गदर्शन से मेरा उत्पादन 11.20 कुं० प्रति हे० की दर से प्राप्त हुआ जिससे मुझे निम्नवत आय हुई:-



## 01 हे उर्द एवं 01 हे0 धान की खेती का तुलनात्मक विवरण

क्र० सं०	मद विवरण	उर्द प्रदर्शन(01 हे०)	धान (01 हे०) विगत वर्ष
अ	कुल लागत	16740.00	26600.00
ब	कुल उत्पादन	11.20 कुण्टल	55 कुण्टल
स	कुल आय	11.20x10000=112000.00 (मूल्य रू० 10000 / कु०)	55x1200=66000.00 (मूल्य रू० 1200 / कु०)
	शुद्ध लाभ प्रति हे० (स-अ)	95260.00	39400.00

इस प्रकार मुझे उर्द की खेती में धान की खेती की अपेक्षा प्रति हे० रू० 95260-39400=55860.00 का अरिखित लाभ हुआ।

मैं इस उत्पादन एवं अपने लाभ का श्रेय क्राप डाईवर्सिफिकेशन परियोजना यूपीडास्य के जिला परियोजना समन्वयक एवं कृषि केन्द्र के वैज्ञानिकों को देता हूँ।

कृषक का नाम : सतेन्द्र मोहन सिंह  
पिता का नाम : श्री जण्डैल सिंह  
ग्राम : जगन्नाथपुर  
विकास खण्ड : रामनगर  
जनपद : बरेली  
मोबाइल न० : 9690602304  
प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे०) : 2



## सफलता की कहानी-10 (बाजरा प्रदर्शन मल्टीक्राप थ्रेसर लाभार्थी)

मैं कृषक सत्यपाल पुत्र श्री चन्द्रपाल, ग्राम-जितौर, विकास खण्ड-क्यारा, जनपद-बरेली का निवासी हूँ। मेरे पास 3 (हेक्टेयर) उपजाऊ भूमि है, जिसमें मैं रबी में गेहूँ, मसूर एवं खरीफ में धान की खेती करता रहा हूँ।

क्राफ्ट ड्राइवर्स फिकेशन परियोजना के बारे में वित्तीय वर्ष 2015-16 में विकास खण्ड-क्यारा के ए0डी0ओ0 कोआपरेटिव के द्वारा बाजरा क्लस्टर प्रदर्शन के सम्बन्ध में बताया गया। जिसके पश्चात मैंने विकास भवन स्थित परियोजना कार्यालय में सम्पर्क किया तथा बाजरा क्लस्टर प्रदर्शन कराया। प्रदर्शन हेतु बीज व अन्य निवेश परियोजना से



सत्यपाल पुत्र श्री चन्द्रपाल, ग्राम जितौर, विकास खण्ड क्यारा

निःशुल्क प्राप्त कराये गये। बाजरे की खेती धान से अधिक लाभकारी रही। जहाँ विगत में बोये गये धान पर लागत रू0 25000.00 प्रति हे0 व शुद्ध लाभ रू0 24000.00 प्रति हे0 हुआ था, उसी खेत में बाजरा में लागत रू0 14800.00 प्रति हे0 व शुद्ध लाभ रू0 32000.00 प्रति हे0 रहा।

वित्तीय वर्ष 2015-16 में ही मैंने मल्टीक्राप थ्रेसर हेतु परियोजना की वेबसाइट पर आन लाईन पंजीकरण कराते हुये अनुमोदन के पश्चात एक डीलक्स मल्टीक्राप थ्रेसर 100 एच0पी0 का क्रय किया जिस हेतु मुझे अनुदान धनराशि रू0 40000.00 मेरे खाते में प्राप्त हुआ।

पहले थ्रेसिंग हेतु मशीन किराये पर लिया करता था। परन्तु अपनी मल्टीक्राप थ्रेसर कय करने से मुझे बहुत खुशी हुई। इसे मेरे द्वारा अपनी खेती में प्रयोग करने के साथ ही अन्य कृषकों हेतु किराये पर चलाया गया। इससे मुझे अतिरिक्त आय प्राप्त हुई। जिसका विवरण निम्नवत है:-

डास्प के माध्यम से प्राप्त मशीन का नाम व अनुदान - मल्टीक्राप थ्रेसर  
अनुदान रू0 40000.00





## स्वयं के रेटावेटर प्रयोग से एक वर्ष में हुये लागत/लाभ का विवरण

क्र० सं०	मद विरण	मल्टीक्राप थ्रेसर प्रयोगसे लागत/
अ	लागत:	
1	एक वर्ष मे कुल 420 घण्टे की गयी थ्रेसिंग की लागत (थ्रेसिंग मे ईंधन की लागत रू० 480 प्रति घण्टा)	201600.00
2	रिपेयरिंग एवं सर्विसिंग (ट्रैक्टर एवं थ्रेसर)	15000.00
	<b>कुल खर्च</b>	<b>216600.00</b>
ब	आय:	
	एक वर्ष मे कुल 420 घण्टे की गयी थ्रेसिंग से प्राप्त किराया (थ्रेसिंग का किराया रू० 1000 प्रति घण्टा)	420000.00
	<b>शुद्ध लाभ (ब-अ)</b>	<b>203400.00</b>

इस प्रकार मुझे स्वयं की खेती मे सुविधा एवं लाभ के साथ-2 अन्य कृषकों हेतु गेहूँ, बाजरा, उर्द, चना, मसूर आदि की थ्रेसिंग के किरायेदारी पर करने से, एक वर्ष मे कुल रू० 203400.00 का शुद्ध लाभ हुआ। मै सम्बन्धित का बहुत आभारी हूँ।

कृषक का नाम : सत्यपाल  
पिता का नाम : चन्द्रपाल  
ग्राम : जितौर,  
विकास खण्ड : क्यारा  
जनपद का नाम : बरेली  
मोबाईल न० :9536433936  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे०) : 3.00



## सफलता की कहानी-11 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मेरा नाम प्रभात कुमार पुत्र श्री शिव प्रताप सिंह है। मैं ग्राम पेदी, पोस्ट फरीदपुर भोगी, ब्लाक हल्दौर, जिला बिजनौर का रहने वाला हूँ। मेरे पास 2.66 हे० जमीन है। मैं पहले धान की खेती अधिक किया करता था परन्तु इसमें कोई लाभ नहीं मिल पाता था। धान की फसल में 120 से 130 दिन का समय लगता है, और 8-10 सिंचाई करनी पड़ती है। एक सिंचाई में 500.00 रु० का पानी लगता है। धान की फसल में खाद और दवाईयां भी बहुत मात्रा में प्रयोग करनी पड़ती है।



इस वर्ष(2016-17) मैं फसल विविधिकरण परियोजना यू०पी० डास्प से जुड़ा और खरीफ में धान के स्थान पर 2.66 हे० में उर्द की खेती की जिसके लिए मुझे डास्प योजना से 40 किग्रा० उर्द का बीज, जैव उर्वरक, दवायें आदि निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। उर्द की फसल 70-75 दिनों में ही तैयार हो गई। जिसमें सिर्फ दो सिंचाई की ही आवश्यकता पड़ी। उर्द की फसल में खाद और दवाईयों का भी बहुत कम मात्रा में प्रयोग हुआ। जिससे मुझे कम समय और कम लागत में 10.50 कुन्तल प्रति हे० उर्द की पैदावार हुई।

फसल	आय/हे०	लागत मूल्य/हे०	शुद्ध लाभ/हे०
धान कुल उत्पादन- 44 कु०/हे०,	रु० 66000 @Rs 1500प्रति कु०	रु० 29750.00	रु० 36250.00
उर्द कुल उत्पादन-10.50कु०/हे०	रु० 73500.00 @Rs.7000प्रति कु०	रु० 10700.00	रु० 62800.00
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रु० 26550.00

कृषक का नाम : प्रभात कुमार  
पिता का नाम : श्री शिव प्रताप सिंह  
पता : ग्राम पेदी, पोस्ट फरीदपुर भोगी  
विकास खण्ड : ब्लाक हल्दौर  
जिला : बिजनौर।  
मोबाइल नं० : 9410698145  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे०) : 2.66



## सफलता की कहानी-12 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मेरा नाम विकास चौधरी पुत्र श्री शिव प्रताप सिंह है। मैं ग्राम पेदी, पोस्ट फरीदपुर भोगी, ब्लाक हल्दौर, जिला बिजनौर का रहने वाला हूँ। मेरे पास 1.00 हे० जमीन है। मैंने पिछले वर्ष खरीफ में धान की खेती की थी। जिसमें 120 से 125 दिन का समय लगा था, और 8-10 सिंचाई करनी पड़ती थी, जबकि एक सिंचाई में 500 रु० का पानी लगता है। कुल मिलाकर धान की फसल आर्थिक रूप से फायदेमंद नहीं थी।



इस वर्ष (2016-17) मैं फसल विविधिकरण परियोजना यू०पी० डास्प से जुड़कर खरीफ में 1 हे० में उर्द प्रदर्शन कराया, उर्द की फसल 70-75 दिन में सिर्फ एक सिंचाई से तैयार हो गई थी। उर्द की फसल के लिए डास्प योजना से 15 कि०ग्रा० उर्द का बीज, दवा व अन्य निवेश निःशुल्क प्राप्त कराया गया था। जिससे मेरा खाद और दवाइयों में बहुत ही कम खर्च हुआ। उर्द की खेती से कम समय और कम लागत में 11.00कु० प्रति हे० का उत्पादन हुआ है।

फसल	आय	लागत मूल्य	शुद्ध लाभ / हे०
धान कुल उत्पादन-40 कु० / हे०,	रु० 60000.00 @Rs 1500प्रति कु०	रु० 33000.00	रु० 27000.00
उर्द कुल उत्पादन-11कु० / हे०	रु० 77000.00 @Rs.7000प्रति कु०	रु० 10100.00	रु० 66900.00
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रु० 39900.00

कृषक का नाम : विकास चौधरी  
पिता का नाम : श्री शिव प्रताप सिंह  
ग्राम : पेदी  
पोस्ट : फरीदपुर भोगी  
ब्लाक : हल्दौर  
जिला : बिजनौर  
मोबाइल नं० : 9927506155  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे०): 1.00



### सफलता की कहानी-13 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मैं पहले धान की खेती किया करता था। इस वर्ष मैं फसल विविधीकरण परियोजना यू0पी0 डास्प से जुड़ा और खरीफ में 1.49 हे0 क्षेत्रफल में उर्द का प्रदर्शन किया। धान की फसल में 120-130 दिन का समय लगता है और 10-12 सिंचाई करनी पड़ती है जबकि उर्द की फसल में 70-75 दिन का समय लगता है और दो ही सिंचाई में फसल तैयार हो जाती है। धान की फसल में खाद और दवाइयां भी बहुत मात्रा में प्रयोग करनी पड़ती है, जिसमें लगभग 38000.00 रु0 का खर्च होता था। जबकि उर्द की फसल में खाद और दवाइयों का बहुत कम मात्रा में प्रयोग होता है जिसमें की मुझे डास्प योजना से 22 किग्रा0 उर्द का बीज और निवेश प्राप्त कराया गया। जिससे मुझे कम समय और कम लागत में लगभग 10 कुन्तल का उत्पादन प्राप्त हुआ और रु0 58300.00 प्रति हे0 का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। जिससे कि मैं और मेरे गाँव वाले भी काफी प्रभावित हुए और आगे से दलहनी फसलो की खेती को करने को प्राथमिकता भी देंगे।



फसल	आय	लागत मूल्य	शुद्ध लाभ / हे0
धान कुल उत्पादन-41 कु0/हे0,	रु0 61500.00 @Rs 1500प्रति कु0	रु0 38000.00	रु0 23500.00
उर्द कुल उत्पादन- 10 कु0/हे0	रु0 70000.00 @Rs.7000प्रति कु0	रु0 11700.00	रु0 58300.00
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रु0 34800.00

कृषक का नाम :सुनील कुमार  
पिता का नाम :श्री जगत सिंह  
पता :ग्राम-देवीदासवाला  
पोस्ट : मण्डावर  
ब्लाक : मौ0पुर देवमल  
जिला : बिजनौर  
मोबाइल नं0 :9457801806  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0):1.14



## सफलता की कहानी-14 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मैं पहले धान की खेती किया करता था, और इस वर्ष में फसल विविधीकरण परियोजना यू0पी0 डास्प से जुड़ा हूँ और खरीफ में 0.60 हे0 में उर्द का प्रदर्शन किया। धान की फसल में 120 से 130 दिन का समय लगता है और 10 सिंचाई करनी पड़ती है, जब की उर्द में 70-75 दिन का समय लगता है और एक ही सिंचाई में फसल तैयार हो जाती है। धान की फसल में खाद और दवाइयां भी बहुत मात्रा में प्रयोग करनी पड़ती है, जिसमें लगभग 17000.00 रू0 का खर्च हुआ था। जबकि उर्द की फसल में खाद और दवाईयों का बहुत कम मात्रा में प्रयोग होता है जिसमें की मुझे डास्प योजना से 6 किग्रा0 उर्द का बीज और निवेश प्राप्त कराया गया। जिससे मुझे कम समय और कम लागत में 10 कु0 प्रति हे0 का उत्पादन प्राप्त हुआ है, और उर्द की खेती से शुद्ध आय रू0 59500.00 प्रति हे0 प्राप्त हुआ।



फसल	आय	लागत मूल्य	शुद्ध लाभ / हे0
धान कुल उत्पादन-42कु0 / हे0,	रू0 63000.00 @Rs 1500प्रति कु0	रू0 39300.00	रू0 23700.00
उर्द कुल उत्पादन-10कु0 / हे0	रू0 70000.00 @Rs.7000प्रति कु0	रू0 10500.00	रू059500.00
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रू035800.00

कृषक का नाम :कल्याण सिंह  
पिता का नाम :श्री लाल सिंह  
ग्राम : फरीदपुरमीरा  
ब्लाक : मौ0पुर देवमल  
जिला : बिजनौर  
मोबाइल नं0 :9411608788  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0):1.75





## सफलता की कहानी-15 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मैं पहले धान की खेती किया करता था जिसमें 125 से 130 दिन का समय लगता है, और 10-12 सिंचाई करनी पड़ती है, जबकि उर्द की फसल में 70-75 दिन का समय लगता है और 1-2 ही सिंचाई में फसल तैयार हो जाती है। धान की फसल में खाद और दवाईया भी बहुत मात्रा में प्रयोग करनी पड़ती है, जिसमें लगभग पन्द्रह से बीस हजार रुपये का खर्च होता है और मजदूरी भी अधिक देनी पड़ती है, जबकि उर्द की फसल में खाद और दवाईयों का बहुत कम मात्रा में प्रयोग होता है और मजदूरी भी कम लगती है। धान को बेचने के लिए मण्डी में जाना पड़ता है और दाम भी कम मिलता है। उर्द की फसल को बेचने में कोई परेशानी भी नहीं होती और दाम भी अधिक मिलता है। इस वर्ष मैं फसल विविधीकरण परियोजना यू0पी0 डास्प से जुड़ा और खरीफ में 2 हे0 में उर्द का प्रदर्शन किया। जिसमें कि मुझे डास्प योजना से 30 किग्रा0 उर्द का बीज और निवेश प्राप्त कराया गया। जिससे मुझे धान की अपेक्षा उर्द की खेती में कम समय और कम लागत में रू0 64300.00 प्रति हे0 का शुद्ध लाभ हुआ।



फसल	आय	लागत मूल्य	शुद्ध लाभ / हे0
धान कुल उत्पादन- 43 कु0/हे0,	रू0 64500.00 @Rs 1500प्रति कु0	रू0 41000.00	रू0 23500.00
उर्द कुल उत्पादन- 11 कु0/हे0	रू0 77000.00 @Rs.7000प्रति कु0	रू0 12700.00	रू0 64300.00
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रू040800.00

कृषक का नाम :सुभाष त्यागी  
पिता का नाम :श्री बाबूराम  
पता : ग्राम सिकरौडा  
ब्लाक : नजीबाबाद  
जिला : बिजनौर।  
मोबाइल नं0 :9759590852  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) :5.00



## सफलता की कहानी-16 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मैं पहले सरबती धान की खेती किया करता था। इस वर्ष फसल विविधीकरण परियोजना यू0पी0 डास्प के सहयोग से धान की जगह 1 हे0 में उर्द की खेती किया, जिसमे मुझे डास्प द्वारा 15 किग्रा0 पन्त उर्द 31 का बीज और निवेश उपलब्ध कराया गया। उर्द बुआई के पश्चात मात्र दो बार सिंचाई एवं रू0 15200.00 प्रति हे0 व्यय के पश्चात 75 से 80 दिन में 1.0 हे0 में 13.00 कु0/हे0 उत्पादन हुआ जिससे मुझे रू0 75800.00 प्रति हे0 का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ, जबकि धान की खेती में लगभग 120 से 130 दिन में 8-10 सिंचाई करनी पड़ती थी और लाभ अपेक्षाकृत कम होता था।



फसल	आय	लागत मूल्य	शुद्ध लाभ /हे0
धान कुल उत्पादन-43 कु0/हे0,	रू0 64500.00 @Rs 1500प्रति कु0	रू0 37000.00	रू0 27500.00
उर्द कुल उत्पादन- 13 कु0/हे0	रू0 91000.00 Rs.7000प्रति कु0	रू0 15200.00	रू0 75800.00
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रू048300.00

कृषक का नाम :लाल बहादुर सिंह  
पिता/पति का नाम :श्री बलवन्त सिंह  
ग्राम व पोस्ट : बिलाई  
विकासखण्ड : हल्दौर  
जनपद :बिजनौर  
मोबाइल नं0 :9410415609  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0):3.386



## सफलता की कहानी-17 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मेरा नाम मुनेद्र सिंह पुत्र श्री छुट्टन सिंह है। फसल विविधीकरण योजना, यूपीडास्प रामपुर द्वारा मेरा चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन हेतु वर्ष 2015-16 में किया गया। मुझे उर्द बीज (आजाद-2), दवायें, जैव उर्वरक आदि निःशुल्क उपलब्ध कराये गये। इसके अतिरिक्त डी0ए0पी0 इत्यादि हेतु रू0 975.00 का अनुदान भी मुझे डी0बी0टी0 द्वारा प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त मैंने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर मुझे रू0 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ है। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।



पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015.16 मे उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरण:-

फसल	कुलआय(रू0)	लागत मूल्य(रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान कुल उत्पादन-55 कु0/हे0	रू0 82500.00 @Rs 1500 प्रति कु0	रू0 37750.00	रू0 44750.00
उर्द कुल उत्पादन-11 कु0/हे0	रू0 110000.00 @Rs 10000 प्रति कु0	रू0 9800.00	रू0 100200.00
धान की तुलना मे उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू055450.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रू0 प्रति वर्ष)-

मैंने पावर चैफ कटर का क्रय किया गया जिसपर मुझे रू0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु मुझे प्रति दिन लगभग रू0 100.00 व्यय करने होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुए लगभग रू0 30000.00 का अतिरिक्त लाभ प्रतिमुझे प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्री मुनेद्र सिंह  
पिता/पति का नाम : श्री छुट्टन सिंह  
ग्राम : बुद्धपुर  
विकास खण्ड : शाहबाद  
जनपद : रामपुर  
मोबाईल नं0 : 9761888445  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 3.17 हे0  
प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 2.576 हे0



## सफलता की कहानी-18 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मेरा नाम अजय पाल है, मेरा चयन फसल विविधीकरण योजना, यूपीडास्प रामपुर द्वारा उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015-16 में किया गया। मुझे उर्द बीज (आजाद-2) निशुल्क उपलब्ध कराया गया तथा धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैंने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर मुझे रू0 20000/- का अनुदान भी प्राप्त हुआ। उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी मुझे अनुदान प्राप्त हुआ है। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।



पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015.16 मे उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरण :-

फसल	कुल आय(रू0)	लागत मूल्य (रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान कुल उत्पादन-50 कु0/हे0	रू0 77500.00 @Rs1550 प्रति कु0	रू0 36100.00	रू0 41400.00
उर्द कुल उत्पादन- 12 कु0/ हे0	रू0 118000.00 @Rs 9900 प्रति कु0	रू0 9400.00	रू0 109400.00
धान की तुलना मे उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू0 68000.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रू0 प्रति वर्ष):-

मेरे द्वारा पावर चैफ कटर का भी क्रय किया गया जिस पर रू0 20000/- का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु मुझे प्रति दिन लगभग रू0 100/- व्यय करने होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग रू0 20000/- का अतिरिक्त लाभ मुझे प्रतिवर्ष हो रहा है। कृषक का नाम : श्री अजय पाल

पिता/पति का नाम: श्री प्यारे लाल  
ग्राम : मतवाली  
विकास खण्ड : शाहबाद  
जनपद : रामपुर  
मोबाईल नं0 : 9720885147  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 2.78 हे0  
प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 1.338 हे0



## सफलता की कहानी-19 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मेरा नाम जयपाल सिंह है, मेरा चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015-16 में किया गया। मुझे उर्द बीज (आजाद-2) उपलब्ध कराया गया। मुझे विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैंने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर रू0मुझे 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ। उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी मुझे अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।



पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015-16 में उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरण :-

फसल	आय (रू0)	लागत मूल्य (रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान कुल उत्पादन-58 कु0/हे0	रू0 84100.00 @Rs1450 प्रति कु0	रू0 37450.00	रू0 46650.00
उर्द कुल उत्पादन- 11.5 कु0/हे0	रू0 103500.00 @Rs 9000प्रति कु0	रू0 9000.00	रू0 94500.00
धान की तुलना में उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू0 47850.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रू0 प्रति वर्ष):-

मैंने पावर चैफ कटर भी क्रय किया गया जिस पर मुझे रू0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु मुझे प्रति दिन लगभग रू0 100.00 व्यय करने होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग रू0 28000.00 का अतिरिक्त लाभमुझे प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्री जयपाल सिंह  
पिता/पति का नाम : श्री दौलत सिंह  
ग्राम : हिम्मतपुर  
विकास खण्ड : शाहबाद  
जनपद : रामपुर  
मोबाईल नं0 : 9761058071  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 2.6 हे0  
प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 1.662 हे0





## सफलता की कहानी-20 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मेरा नाम नेमवती है, मेरा चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015-16 में किया गया। मुझे उर्द बीज (आजाद-2) उपलब्ध कराया गया। मुझे विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैंने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर रू0मुझे 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ। उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी मुझे अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।



पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015-16 में उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरण:-

फसल	आय (रू0)	लागत मूल्य (रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान कुल उत्पादन- 48 कु0 / हे0	रू0 69600.00 @Rs1450 प्रति कु0	रू0 36700.00	रू0 32900.00
उर्द कुल उत्पादन-11 कु0 / हे0	रू0 110000.00 @Rs 10000 प्रति कु0	रू0 8800.00 .00	रू0 101200.00
धान की तुलना में उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू0 68300.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रू0 प्रति वर्ष):-

मेरे द्वारा पावर चैफ कटर का क्रय किया गया जिस पर मुझे रू0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मुझे मशीन क्रय के पूर्व चारा काटने हेतु प्रतिदिन लगभग रू0 130.00 व्यय होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग रू0 30000.00 का अतिरिक्त लाभ प्रतिमुझे प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्रीमती नेमवती  
पिता/पति का नाम : श्री रामपाल सिंह  
ग्राम : ढोलसर  
विकास खण्ड : शाहबाद  
जनपद : रामपुर  
मोबाईल नं0 : 9758185458  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 1.1 हे0  
प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 0.5 हे0



## सफलता की कहानी-21 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मेरा नाम काशी सिंह है, मेरा का चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015-16 में किया गया। मुझे उर्द बीज (आजाद-2) उपलब्ध कराया गया। मुझे विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैंने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर मुझे ₹0 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ। मुझे उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।



पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015-16 में उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरण:-

फसल	आय (₹0)	लागत मूल्य (₹0)	शुद्ध आय (₹0)
धान कुल उत्पादन-54कु0 / हे0	₹0 75600.00 @Rs1400 प्रति कु0	₹0 37000.00	₹0 38600.00
उर्द कुल उत्पादन-10 कु0 / हे0	₹0 99000.00 @Rs 9900 प्रति कु0	₹0 8800.00	₹0 90200.00
धान की तुलना में उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			₹0 51600.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (₹0 प्रति वर्ष):-

मेरे द्वारा पावर चैफ कटर का क्रय किया गया जिस पर मुझे ₹0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मुझे मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु प्रतिदिन लगभग ₹0 100.00 व्यय होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग ₹0 32000.00 का अतिरिक्त लाभ प्रतिमुझे प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्री काशी सिंह  
पिता/पति का नाम : श्री रूपचरन  
ग्राम : बद्धपुर  
विकास खण्ड : शाहबाद  
जनपद : रामपुर  
मोबाईल नं0 : 7351324714  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 1.72 हे0  
प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 0.738 हे0



## सफलता की कहानी-22 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मेरा नाम किशन लाल है, मेरा चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015-16 में किया गया। मुझे उर्द बीज (आजाद-2) उपलब्ध कराया गया। मुझे विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैंने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर मुझे ₹0 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ। मुझे उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।



पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015-16 में उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरण:-

फसल	आय (₹0)	लागत मूल्य (₹0)	शुद्ध आय (₹0)
धान कुल उत्पादन-51 कु0 / हे0	₹0 76500.00 @Rs1500 प्रति कु0	₹0 37500.00	₹0 39000.00
उर्द कुल उत्पादन-11 कु0 / हे0	₹0 99000.00 @Rs 9000 प्रति कु0	₹0 9600.00	₹0 89400.00
धान की तुलना में उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			₹0 50400.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (₹0 प्रति वर्ष):

मैंने एक पावर चैफ कटर का भी क्रय किया जिस पर मुझे ₹0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व मुझे चारा कटाई हेतु प्रतिदिन लगभग ₹0 100.00 व्यय करने होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये मुझे लगभग ₹0 30000.00 का अतिरिक्त लाभ मुझे प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्री किशन लाल  
पिता/पति का नाम : श्री रामचन्द्र  
ग्राम : मतवाली  
विकास खण्ड : शाहबाद  
जनपद : रामपुर  
मोबाईल नं0 : 9756539130  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 3.17 हे0  
प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 0.670 हे0



## सफलता की कहानी-23 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मेरा नाम शीला देवी है मेरा चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015-16 में किया गया। मुझे उर्द बीज (आजाद-2) उपलब्ध कराया गया। मुझे विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैंने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर मुझे ₹0 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ। उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी मुझे अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।



पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015-16 में उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरण:-

फसल	आय (₹0)	लागत मूल्य (₹0)	शुद्ध आय (₹0)
धान कुल उत्पादन-53 कु0 / हे0	₹0 84800.00 @Rs1600 प्रति कु0	₹0 38600.00	₹0 46200.00
उर्द कुल उत्पादन-12.5 कु0 / हे0	₹0 111250.00 @Rs 8900 प्रति कु0	₹0 9800.00	₹0 101450.00
धान की तुलना में उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			₹0 55250.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (₹0 प्रति वर्ष):-

मैंने पावर चैफ कटर का क्रय किया था जिस पर मुझे ₹0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु प्रतिदिन मेरे लगभग ₹0 125.00 व्यय होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग ₹0 28000.00 का अतिरिक्त लाभ मुझे प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम :श्रीमती शीला देवी  
पिता/पति का नाम :श्री सुम्मेरी  
ग्राम :बुद्धपुर  
विकास खण्ड :शाहबाद  
जनपद :रामपुर  
मोबाईल नं : 9690733783  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0):0.97 हे0  
प्रदर्शन का क्षेत्रफल :0.238 हे0





## सफलता की कहानी-24 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मेरा नाम विद्या देवी है मेरा चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015-16 में किया गया। मुझे उर्द बीज (आजाद-2) उपलब्ध कराया गया। मुझे विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैंने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर रू0 20000.00 का अनुदान भी मुझे प्राप्त हुआ। उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी मुझे अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।



पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015-16 में उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरण:-

फसल	आय (रू0)	लागत मूल्य (रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान	रू0 81200.00	रू0 36700.00	रू0 44500.00
कुल उत्पादन-56 कु0 / हे0	@Rs1450 प्रति कु0		
उर्द	रू0 117000.00	रू0 8800.00	रू0 108200.00
कुल उत्पादन-13 कु0 / हे0	@Rs 9000 प्रति कु0		
धान की तुलना में उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू0 63700.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रू0 प्रति वर्ष):-

मैंने पावर चैफ कटर का क्रय किया है जिस पर मुझे रू0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु प्रतिदिन मेरे लगभग रू0 150.00 व्यय होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग रू0 30000.00 का अतिरिक्त लाभ मुझे प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्रीमती विद्या देवी  
पिता/पति का नाम : श्री रन सिंह  
ग्राम : हिम्मतपुर  
विकास खण्ड : शाहबाद  
जनपद : रामपुर  
मोबाईल नं0 : 8941815041  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 3.6 हे0  
प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 1.50 हे0





## सफलता की कहानी-25 (स्ट्रा-रीपर लाभार्थी)

मेरा नाम कमलजीत कौर है। मेरे यहाँ गेहूँ की फसलकी कटाई, अन्य किसानों की भाँति, कम्बाइन द्वाराकराई जाती थी जिसमें कटाई उपरान्त फसल अवशेषों को जला कर नष्ट कर दिया जाता था। यूपीडास्प द्वारा विकास खण्ड बिलासपुर में आयोजित, एक गोष्ठी में मैं उपस्थित थी। वहाँ डा० शिव सिंह जिला परियोजना समन्वयक, यूपीडास्प, रामपुर द्वारा, फसल अवशेष को खेत में जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताया जा रहा था एवं फसल अवशेषों को पशुओं हेतु उपयोगी भूसे में परिवर्तित करने वाली मशीन स्ट्रा-रीपर के क्रय पर अनुदान की जानकारी दी जा रही थी।



जिला परियोजना समन्वयक द्वारा दी गई जानकारी से प्रभावित होकर मैंने भी रीपर खरीदने का निर्णय किया और दिनांक 03.03.2016 को रीपर अनुदान हेतु आनलाइन आवेदन कर समस्त प्रपत्र यूपीडास्प कार्यालय में जमा करा दिया। मुझे यूपीडास्प से मोबाइल पर रीपर के अनुदान स्वीकृति की सूचना प्राप्त हुई। इसके पश्चात् दिनांक 20.03.2016 को मैंने रीपर का क्रय मे० गुरनानक एग्रीकल्चर स्टोर बिलासपुर से रू० 2,40,000.00 में करते हुये बिल यूपीडास्प कार्यालय में जमा करा दिया। रीपर का सत्यापन कराने के उपरान्त दिनांक 28.03.2016 को रू० 44,000.00 का अनुदान मेरे बैंक खाते में यूपीडास्प द्वारा अन्तरित करा दिया गया।

मैंने सर्वप्रथम अपने गेहूँ के फसल अवशेषों को रीपर से भूसा बनाया तथा इसके उपरान्त ग्राम एवं आसपास के ग्रामों के कृषकों के फसल अवशेषों को भूसा बनाने हेतु रीपर किराये पर चलाया। चूँकि गेहूँ की कटाई एक साथ सभी कृषकों द्वारा की जाती है। अतः कम समय को देखते हुए 3 ड्राइवर रख कर 18 घंटे कार्य करने का निर्णय मेरे द्वारा लिया गया। मैंने 25 मार्च से 15 अप्रैल 2016 तक कुल 20 दिन रीपर किराये पर चलाया और केवल 20 दिनों में ही प्राप्त लाभ से लगभग रीपर की पूरी कीमत वसूल हो गई।

**मानक:-**

- रीपर द्वारा 01 हे० फसल का भूसा बनाने में लगभग 4.5 घंटे।
- ट्रैक्टर (55एच०पी०) की डीजल खपत लगभग 8 ली० प्रति घंटे।
- भूसा उत्पादन लगभग 35 कुन्तल प्रति हेक्टेयर।
- रीपर का किराया लगभग रू० 600.00 प्रति घंटा।
- डीजल दर रू० 54 प्रति लीटर।

**वास्तविक व्यय:**

- रीपर का मूल्य –2,40,000.00
- डीजल व्यय–20दिन x18 घंटे x 8 x 54 = रू0 155520.00
- ड्राइवर पर व्यय–300प्रतिदिन x 20 x 3 = रू0 18000.00
- कुल व्यय– 240000+155520+18000 = रू0 413520.00

**आय:**

- किराए से आय–20दिन x18 घंटे x600 = रू0 216000.00
- एक माह की वास्तविक आय– रू0 216000.00

**अन्य लाभ–** कुल 360 घंटे रीपर चला कर 12600 कुन्तल भूसा का उत्पादन किया गया जिसका मूल्य रू0 51200.00 है।

मद	आय धनराशि	लागत मूल्य (परिचालन व्यय)	शुद्ध आय
18 घंटे प्रतिदिन के अनुसार 20 दिन का भूसा बनवाई पर उत्पादन लागत व आय/हे0	रू0 216000.00	रू0 173520.00	रू0 42480.00

**प्रभाव:**

कृषकों को रीपर की उपयोगिता की जानकारी हुई तथा सम्भवतः यह एक अनूठा कार्य है जिसमें कृषक को एक माह में ही लगाई गई पूरी पूँजी वापस प्राप्त हो गई। यूपीडास्प के इस नवीन प्रयोग की प्रशंसा की जा रही है।

लाभार्थी का नाम : श्रीमती कमलजीत सिंह  
पिता/पति का नाम : श्री हरजीत सिंह  
ग्राम : पिपलिया  
विकास खण्ड : बिलासपुर  
जनपद : रामपुर  
मोबाईल नं0 : 7351555000  
यंत्र : रीपर  
मूल्य रू0 : 2,40,000  
अनुदान रू0 : 44,000



## सफलता की कहानी-26 (उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मेरा नाम दिनेश कुमार है मेरा चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015-16 में किया गया। मुझे उर्द बीज (आजाद-2) उपलब्ध कराया गया। मुझे विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैंने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर मुझे ₹0 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ। उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी मुझे अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ।



पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015-16 में उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरण:-

फसल	आय (₹0)	लागत मूल्य (₹0)	शुद्ध आय (₹0)
धान कुल उत्पादन-50 कु0 / हे0	₹0 75000.00 @₹1500 प्रति कु0	₹0 37500.00	₹0 37500.00
उर्द कुल उत्पादन-11 कु0 / हे0	₹0 99000.00 @₹9000 प्रति कु0	₹0 9600.00	₹0 89400.00
धान की तुलना में उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			₹0 51900.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (₹0 प्रति वर्ष):-

मैंने पावर चैफ कटर का क्रय किया, जिस पर मुझे ₹0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु प्रतिदिन लगभग ₹0 100.00 व्यय होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग ₹0 20000.00 का अतिरिक्त लाभ मुझे प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्री दिनेश कुमार  
पिता/पति का नाम : श्री रन सिंह  
ग्राम : हिम्मतपुर  
विकास खण्ड : शाहबाद  
जनपद : रामपुर  
मोबाईल नं0 : 8941815041  
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 1.26 हे0  
प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 0.50 हे0